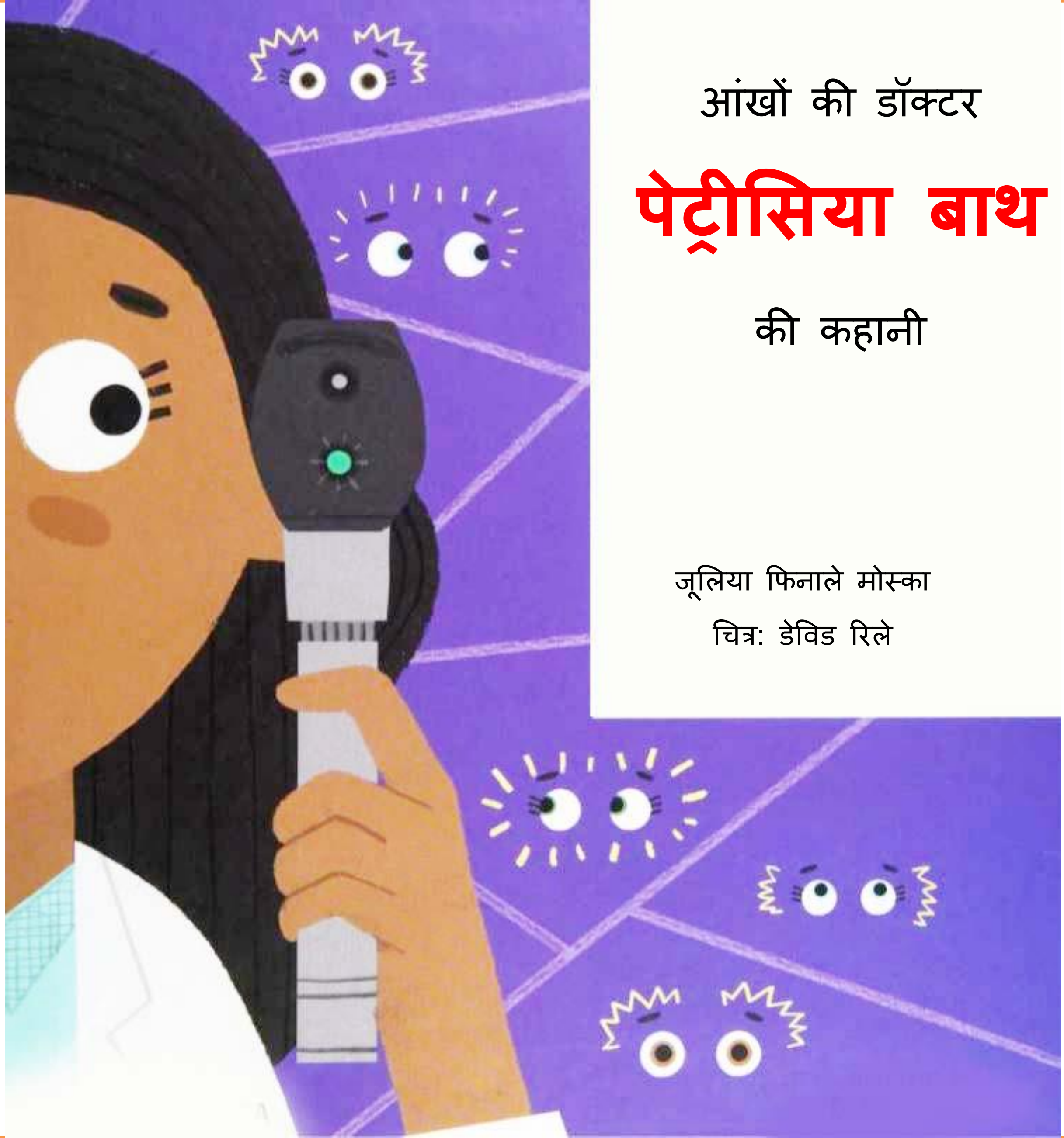


आंखों की डॉक्टर

पेट्रीसिया बाथ

की कहानी

जूलिया फिनाले मोस्का

चित्र: डेविड रिले

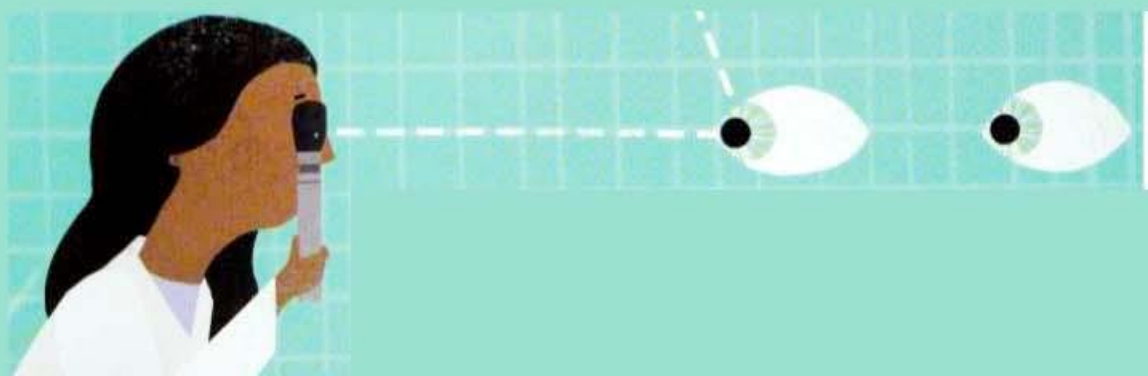
आंखों की डॉक्टर

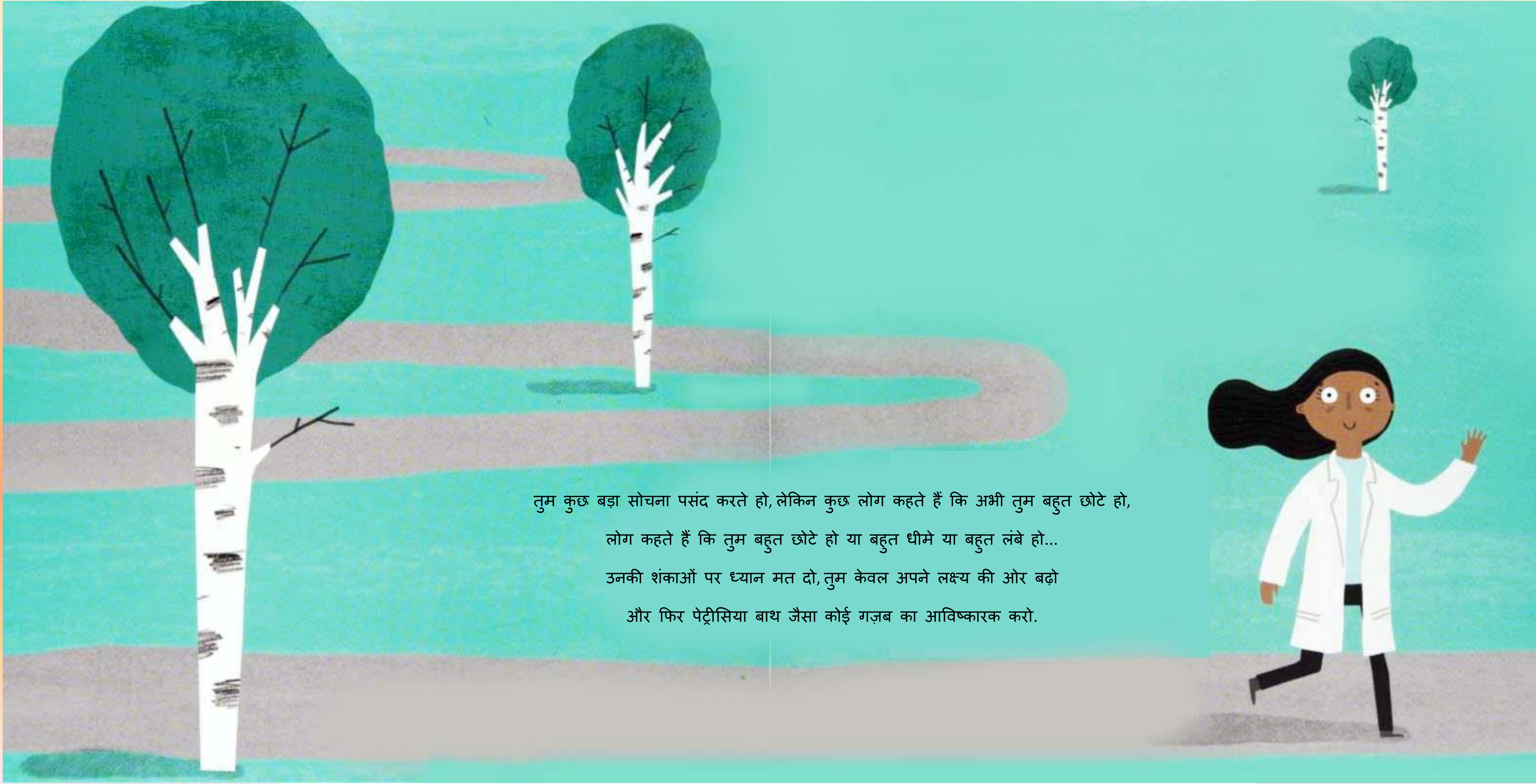
पेट्रीसिया बाथ

की कहानी

जूलिया फिनाले मोस्का

चित्र: डेविड रिले



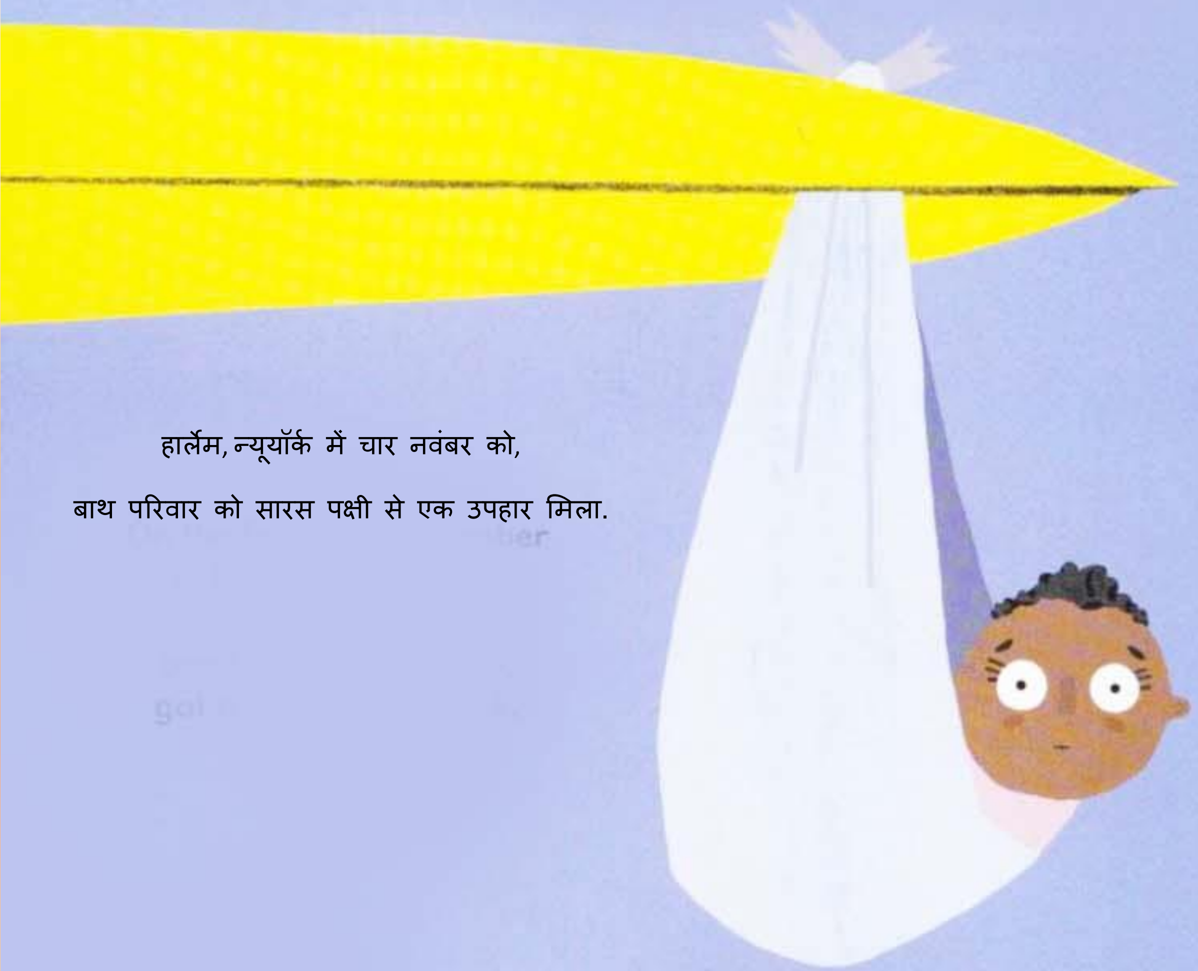


तुम कुछ बड़ा सोचना पसंद करते हो, लेकिन कुछ लोग कहते हैं कि अभी तुम बहुत छोटे हो,

लोग कहते हैं कि तुम बहुत छोटे हो या बहुत धीमे या बहुत लंबे हो...

उनकी शंकाओं पर ध्यान मत दो, तुम केवल अपने लक्ष्य की ओर बढ़ो

और फिर पेट्रीसिया बाथ जैसा कोई गज़ब का आविष्कारक करो.



हार्लेम, न्यूयॉर्क में चार नवंबर को,

बाथ परिवार को सारस पक्षी से एक उपहार मिला.

एक शिशु का!
पेट्रीसिया - काफी चतुर थी.

वो कुछ नायब करेगी;
और दुनिया जल्द ही उसे देखेगी!



उस न्यूयॉर्क की लड़की को...
लड़कों के साथ खेलना बहुत पसंद था.

उसका बड़ा भाई, विचारशील था,
वो अपने सभी खिलौने बहन के साथ साझा करता था.



भाई के हर शौक का,
वो नक़ल करती थी. यह सच है.

वो कहती थी, "जो कुछ लड़के कर सकते हैं,
वो लड़कियां भी कर सकती हैं!"



फिर भी एक खिलौना था जिसे वो सबसे ज्यादा प्यार करती थी
वो उसे कभी नहीं भूली

माँ ने उसे वो उपहार दिया था: एक रसायन सेट, यानि केमिस्ट्री का सेट.

खैर, उस खिलोने ने उसे सोचने पर मजबूर किया, "अरे, विज्ञान बड़ा मज़ेदार है!"

विज्ञान उसका नया जुनून बन गया. वो उसमें पूरी तरह रम गई.





जैसे-जैसे वो थोड़ी बड़ी हुई, वो कुछ
और ज्यादा करने को तरसने लगी.

"विज्ञान की मदद से मैं
बीमार और गरीब लोगों की मदद करूँगी."

परिवार का एक दोस्त थे, जो पेशे से डॉक्टर थे

उन्होंने उस किशोरी को प्रेरित किया.
"मैं भी एक डॉक्टर बन सकती हूँ!"





लेकिन उस समय अधिकांश डॉक्टर पुरुष होते थे.

फिर भी, पेट्रीसिया दृढ़ रही.
उसने अपना मन नहीं बदला.

देखो, उसके पिता होशियार (और जैक-ऑफ-ऑल-ट्रेड) थे.

उन्होंने उसे सिखाया :
"हम सभी समान हैं - भले ही हमारा लिंग या रंग भिन्न हो."







हाँ, उसके माता-पिता रोमांचित थे.
उन्होंने अपनी बेटी को प्रोत्साहित किया.

उन्होंने कहा, "कुछ भी असंभव नहीं है
- कोई भी नौकरी, या सपना."

बाथ परिवार के पास ज़्यादा पैसा हीं था
लेकिन फिर भी वे समझदार थे.

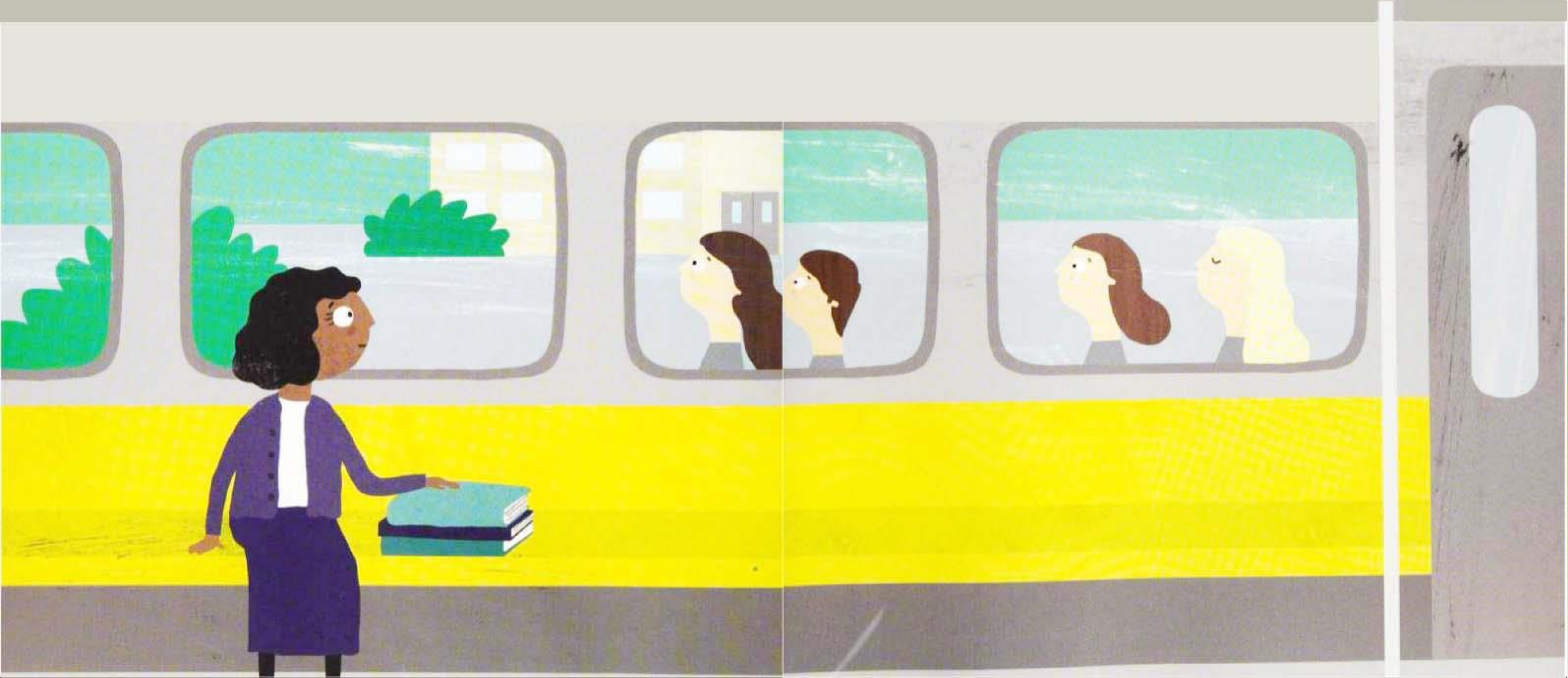
"शिक्षा," उन्होंने कहा, "सफलता की कुंजी है."

अब, उसमें एक समस्या थी? पास के सभी हाई स्कूल...

केवल अमीर गोरे बच्चों के लिए थे - वो सही नहीं था.

इसलिए वो रोज़ ट्रेन से हाई स्कूल गई. उसे कोई भी नहीं रोक पाया,

जबकि बाकी बच्चों को चार साल लगते उसने तीन साल में ही स्कूल ख़त्म कर लिया!



आगे क्या? वो कॉलेज गई. उसके बाद मेडिकल कॉलेज...

जहाँ उसने पाया कि उसके सहपाठी आमतौर पर लड़के ही थे,

तब लड़कियों को आगे की पंक्ति में बैठने की अनुमति नहीं थी,

पेट्रीसिया ने कहा, "मैं उससे निराश नहीं होऊंगी."





अनुचित बंधनों ने उसे नीचे नहीं गिराया.

उसे बहुत सारे काम करने थे.
उसके पास गुस्सा होने का समय नहीं था.

एक फैसला अभी बाकी था –
उसका फोकस क्या होगा?

"मैंने सोचा," उसने कहा.
"मैं लोगों को देखने में मदद करूंगी!"





फिर उसने एक उत्सुक ट्रेनी के रूप में
आँख का अध्ययन किया.

अस्पताल में मरीजों का इलाज करके
उसने बहुत कुछ सीखा.

काम के दौरान उसे लगा, "कुछ सही नहीं है."

काले रोगी, गोरे रोगियों की तुलना में
दो-गुना अधिक अंधे क्यों थे?



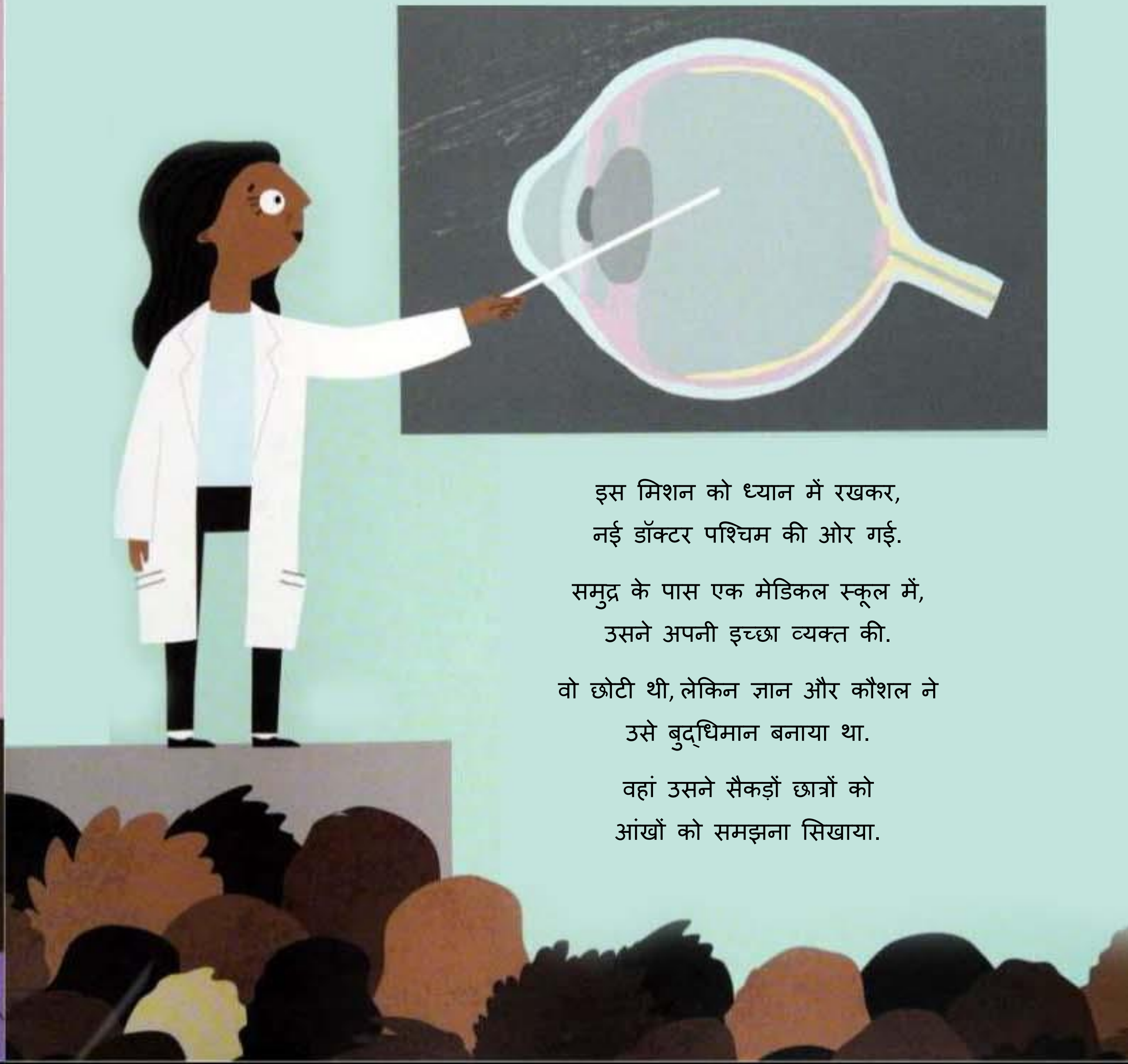
"ऐसा क्यों?" वो जानना चाहती थी.

"हार्लेम जैसे स्थानों में, जहां पैसा बेहद कम था?"

वहां वो एक योजना लेकर आई:
"हमें इस स्थिति को बदलना होगा.

उसने कहा, "हमें दृष्टि को प्राथमिकता देनी चाहिए!"





इस मिशन को ध्यान में रखकर,
नई डॉक्टर पश्चिम की ओर गई.

समुद्र के पास एक मेडिकल स्कूल में,
उसने अपनी इच्छा व्यक्त की.

वो छोटी थी, लेकिन ज्ञान और कौशल ने
उसे बुद्धिमान बनाया था.

वहां उसने सैकड़ों छात्रों को
आंखों को समझना सिखाया.

लेकिन वहां सब कुछ प्रफुल्लित करने वाला नहीं था.
कुछ चीज़ों से वो लड़ी.

उसे कालकोठरी में एक डेस्क दी गई,
जहाँ बमुश्किल रोशनी थी.

"नहीं, धन्यवाद," उसने कहा.
"मुझे एक नया कमरा चाहिए होगा."

उसकी मांग पूरी हुई.

कोई भी डॉ. बाथ को काले तहखाने में नहीं रख सका!

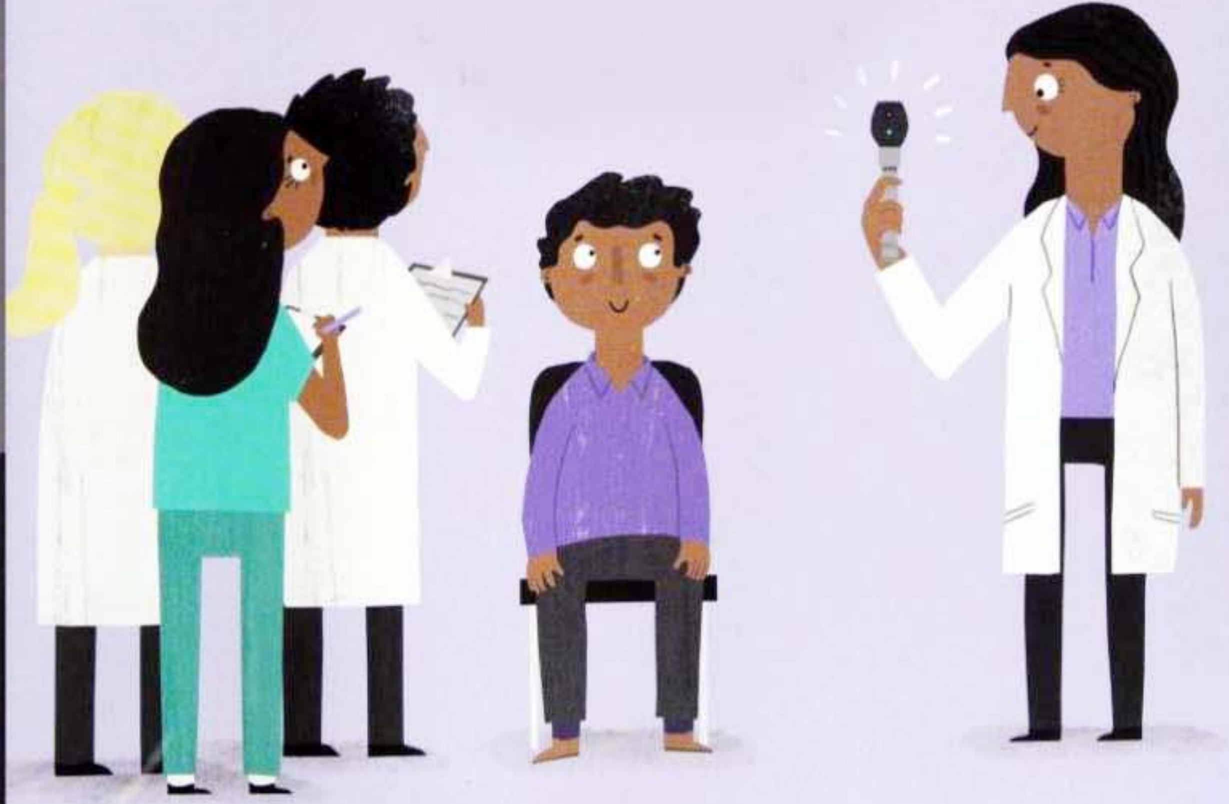


खैर, उसे नई डेस्क मिल गई.
फिर उसने एक ग्रैंड स्लैम मारा,

जब उसने नेत्र चिकित्सक का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया.

वर्षों तक वो उसकी लीडर रही,
क्योंकि उसे उस काम से इतना प्यार था.

ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली वो पहली महिला थी!



क्या आपको लगता है कि वो वहीं रुक गई?
नहीं, उसने वैसा नहीं किया.

लोगों की मदद करने के लिए वो बहुत काम करना चाहती थी.
उसके पास अभी भी बहुत कुछ करने को था.

"मैं अंधेपन को दूर करने के लिए बेहतर उपचार ढूंढूंगी,"
उसने कसम खाई.

वो सीधे यूरोप चली गई, जहाँ उसने आगे की पढ़ाई की.

पेरिस जैसे शहरों में उसने लेजर के बारे में सीखा.

"ये प्रकाश किरणें," उसने कहा, "आंखें बचाने का काम करेंगी."



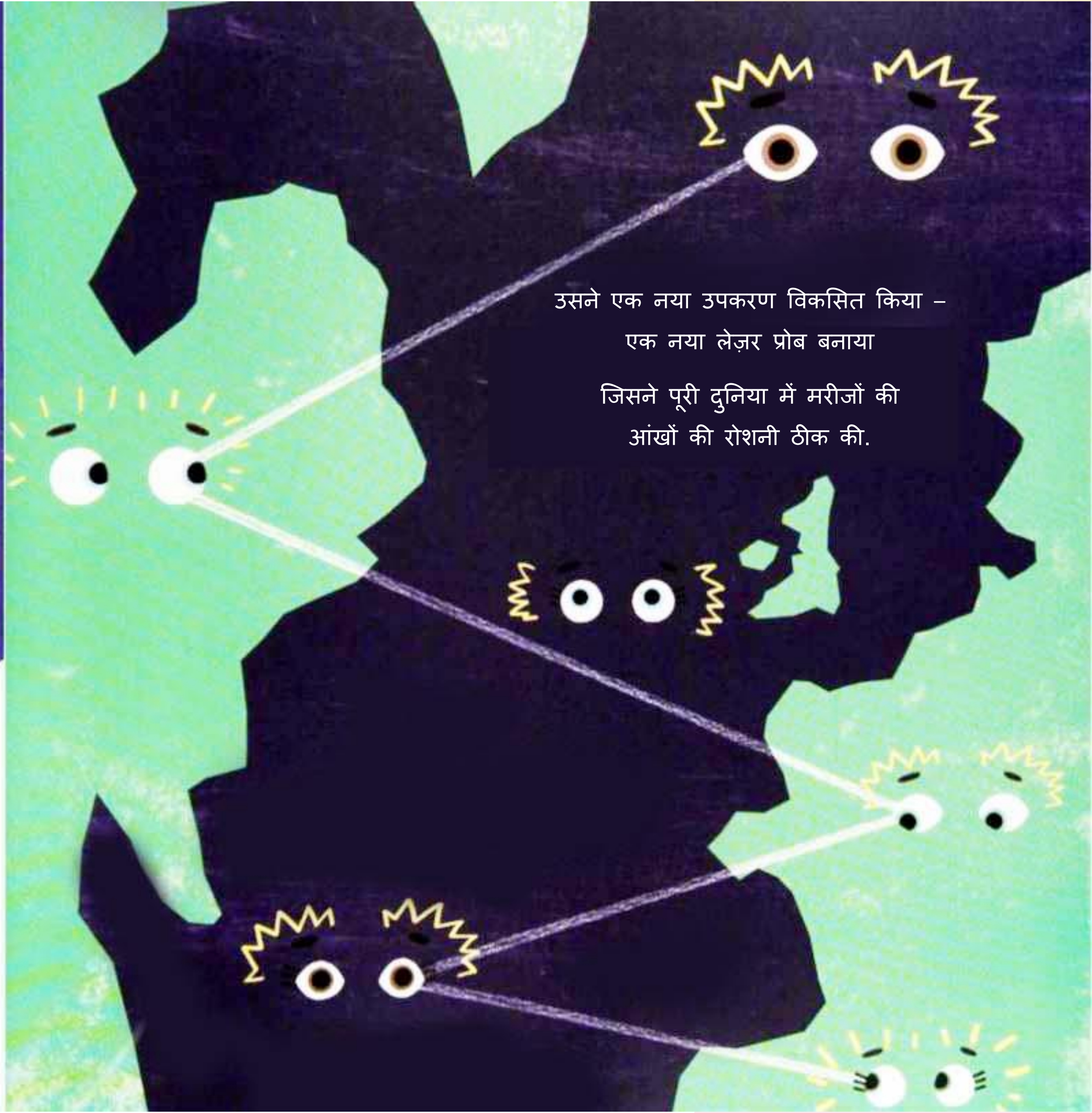
उसने महीनों तक अभ्यास किया.
और अंत में उसे सफलता हासिल हुई...

उसने शोध किया
और एक ज़बरदस्त आविष्कार किया!



उसने एक नया उपकरण विकसित किया –
एक नया लेज़र प्रोब बनाया

जिसने पूरी दुनिया में मरीजों की
आंखों की रोशनी ठीक की.





और उसके काम की वजह से,
जो लोग वर्षों से दृष्टिहीन थे
(पंद्रह, बीस या तीस साल से अधिक) ...

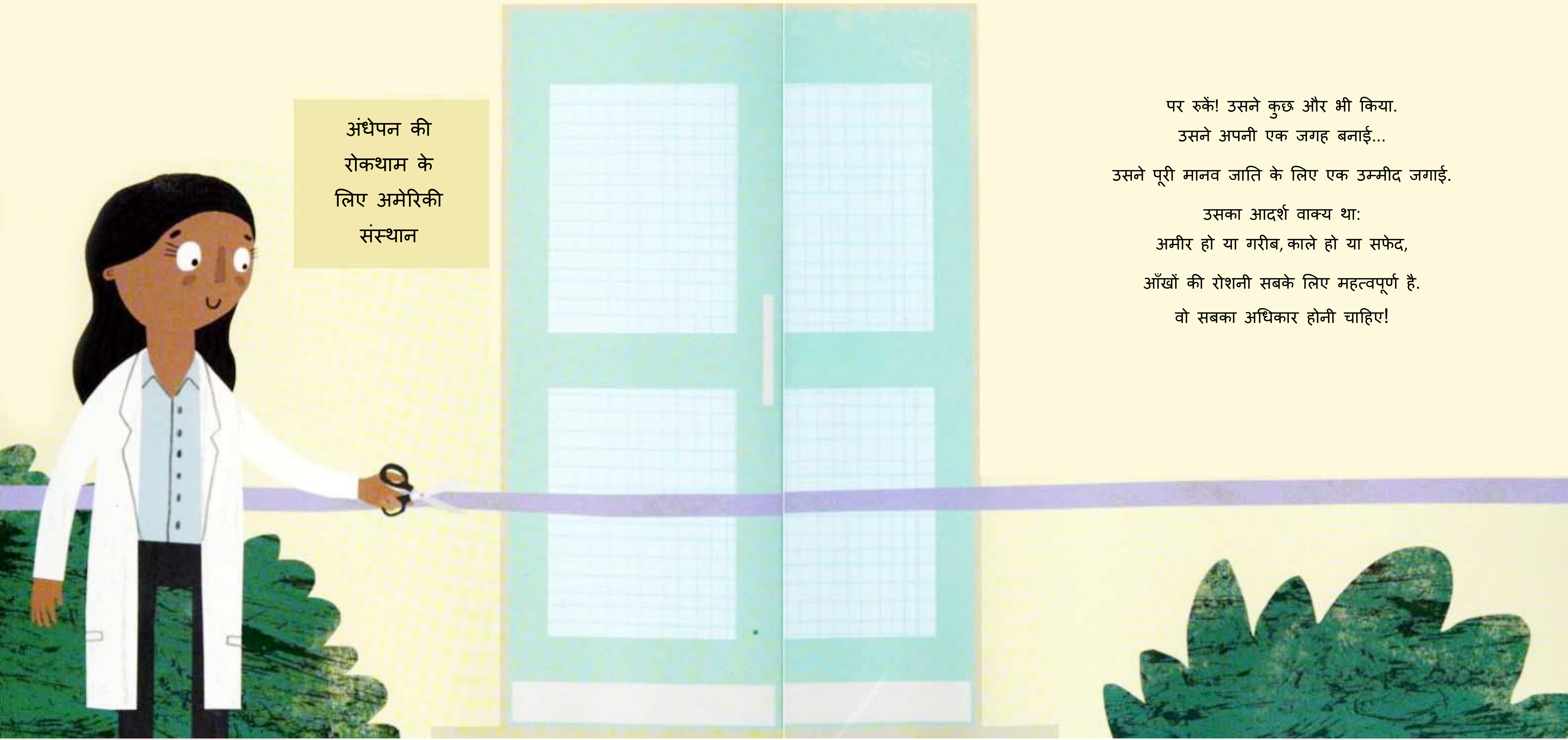


वे अंत में देखने लगे!
हमें उन्हें बधाई देनी चाहिए.

हुर्रे, डॉ बाथ!

हुर्रे, डॉ. बाथ!!

हुर्रे, डॉ. बाथ!!!



पर रुकें! उसने कुछ और भी किया.
उसने अपनी एक जगह बनाई...

उसने पूरी मानव जाति के लिए एक उम्मीद जगाई.

उसका आदर्श वाक्य था:
अमीर हो या गरीब, काले हो या सफेद,

आँखों की रोशनी सबके लिए महत्वपूर्ण है.

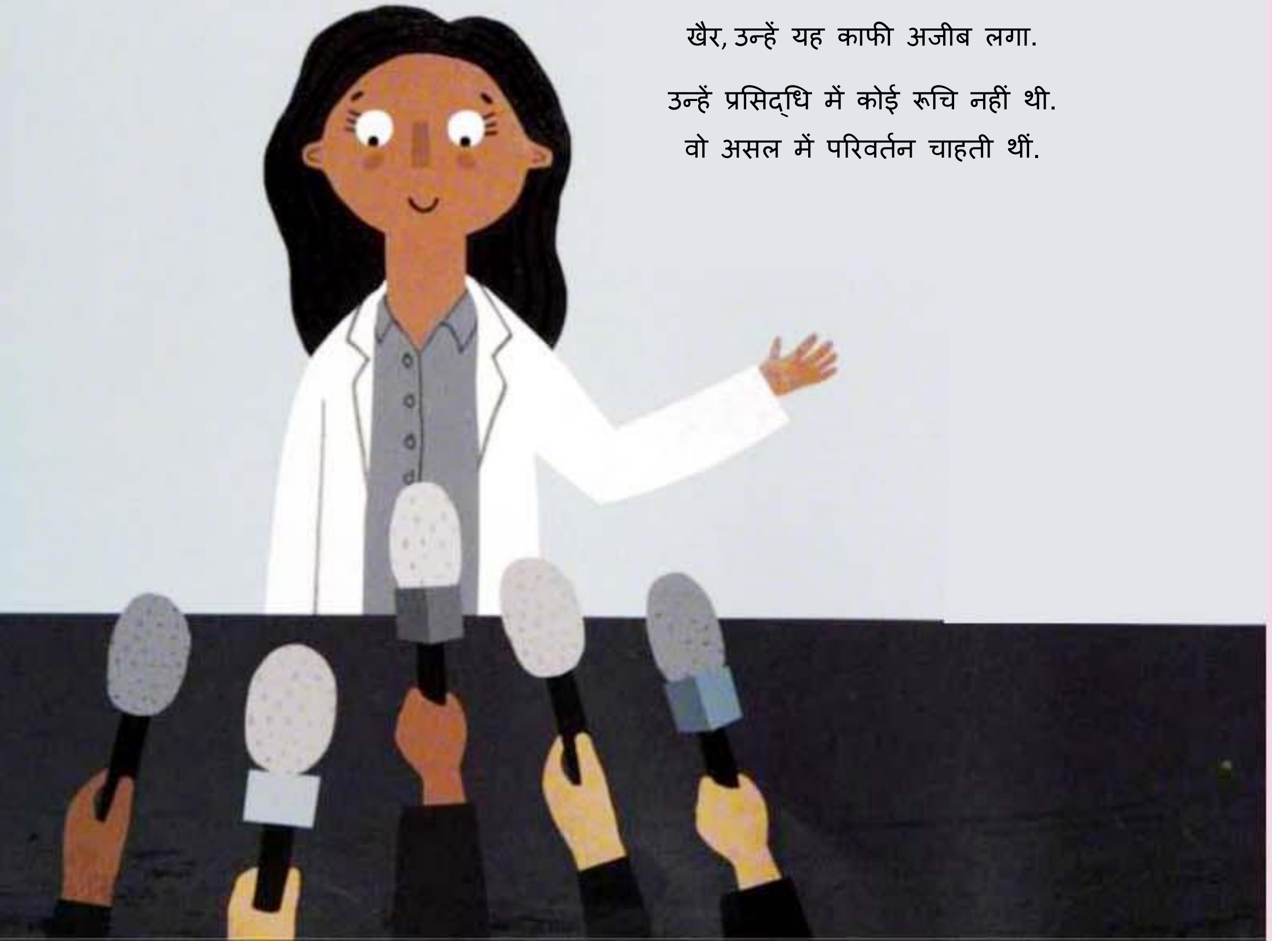
वो सबका अधिकार होनी चाहिए!

उसने जो कुछ भी किया और
उससे जो कुछ प्रगति हुई,

उसके लिए डॉ. बाथ जग-प्रसिद्ध हुईं.
उन्होंने महान कार्य किया.

लेकिन उनके काम के लिए तालियां बजाना?
खैर, उन्हें यह काफी अजीब लगा.

उन्हें प्रसिद्धि में कोई रूचि नहीं थी.
वो असल में परिवर्तन चाहती थीं.



जी हां, न्यूयॉर्क की वो लड़की जिसके पास
बचपन में एक केमिस्ट्री सेट था

(मत भूलें, उसका जन्म उस समय हुआ
जब ज्यादातर डॉक्टर पुरुष थे)

वो बड़ी होकर एक हीरोइन बनी,
लेकिन उसने कभी घमंड नहीं किया.

लोगों को ठीक करना उसकी दिली इच्छा थी
जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती थी.



इसलिए, अगर तुम्हें दुनिया की मदद करना
बहुत कठिन लगे, तो वो तुम्हारी गलती है.

यदि कोई कहे कि तुम यह काम नहीं कर सकते,
तो उनकी बात मत सुनो. मजबूत बनो.

पेट्रीसिया की तरह, अपने लक्ष्य पर हमेशा ध्यान दो.
और आगे बढ़ो उज्ज्वल भविष्य की ओर...

और फिर तुम अपने सभी सपने साकार कर पाओगे!



प्रिय पाठक,

प्रत्येक दिन की शुरुआत एक प्रश्न पूछ कर करें. उसके उत्तर की खोज आपको किसी दूसरे प्रश्न की ओर ले जाएगी और फिर आप पाएंगे कि सीखना और ज्ञान हासिल करना बहुत आनंददायी होगा.



Dr. Patricia Bath

डॉ. पेट्रीसिया बाथ

पेट्रीसिया के साथ लेखक की कुछ छोटी मज़ेदार बातें!





सीमाओं से परे देखना

एक छोटी बच्ची जैसे पेट्रीसिया बाथ कभी भी एक शर्मीली लड़की नहीं थीं. "मैं लड़कों के साथ खेलती थी और उनके साथ बातचीत करती थी और उनकी ज़िंदगी कठिन बनाती थी," बाथ ने कहा, जब उनसे न्यूयॉर्क के हार्लेम बस्ती में बड़े होने के बारे में पूछा गया. उन वर्षों में उसके बड़े भाई ने उसे हमेशा लड़कों के खेलों में शामिल किया और उसे प्रोत्साहित किया. बाथ ने कहा, "मैं अपने भाई का, मेरा साथ देने के लिए शुक्रिया अदा करती हूं. मैं अक्सर नर्स की नहीं बल्कि डॉक्टर की पुरुष भूमिका निभाना चाहती थी और मेरा भाई उसका समर्थन करता था." वास्तव में, बाथ का मानना है कि सहायक पुरुष मित्रों ने उसके भविष्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. "मुझे लगता है कि वो कुछ ऐसा था जिसने मुझे असीम क्षितिज तक जाने के लिए प्रेरित किया. मेरे पास केवल लड़कियों के खेल या लड़कियों के खिलौनें नहीं थे."

सीखने की कोई सीमा नहीं होती

किसने यह सोचा होगा कि एक साधारण खिलौने वाला रसायन सेट, विज्ञान के प्रति एक लड़की का आजीवन जुनून जगाएगा? बाथ की मां, ग्लेडिस वो इंसान थीं जिन्होंने अपनी बेटी को वो उपहार दिया था. "मेरी माँ को पता था कि मुझमें जिज्ञासा थी," बाथ ने कहा. "मुझे हमेशा चीजें ठीक करने में, चीजों को कैसे बनाया जाता है, या चीजों को खोलकर अलग-अलग करने में दिलचस्पी थी." अपने पिता रूपर्ट से उसे संस्कृति की गहरी प्रशंसा, विरासत में मिली. "पिताजी तेल टैंकर जहाजों पर काम करते थे और पूरी दुनिया भर में घूमते थे," उसने समझाया. "मैं अपने अंतर्राष्ट्रीयतावाद का श्रेय पिताजी के उन शुरुआती बचपन के अनुभवों को देती हूं. वो अक्सर स्वीडन या अफ्रीका या जर्मनी के अपने जहाज़ी साथियों को घर लेकर आते थे." फिर भी बाथ यह स्वीकार करती हैं कि उनके माता-पिता ने उन्हें जो सबसे महत्वपूर्ण उपहार दिया वो शिक्षा के प्रति आजीवन सम्मान था. "माँ और पिताजी को लगता था कि शिक्षा ही वो एकमात्र टिकट है जिससे आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं, और वे सही थे!"



संभावनाओं पर नजर

युवा पेट्रीसिया को चिकित्सा के क्षेत्र में, अपने भविष्य की कल्पना करने में मदद के लिए दो महत्वपूर्ण रोल मॉडल मिले. पहले थे डॉ. अल्बर्ट श्वित्जर, जो एक श्वेत चिकित्सक थे, जिन्होंने कुष्ठ रोग और अन्य घातक यौन रोगों से पीड़ित लोगों का इलाज करने के लिए पश्चिम अफ्रीका में कई दशक बिताए. "उनका काम बहुत प्रेरणास्पद था, विशेष रूप से अमेरिका में नस्लीय स्थिति के कारण," बाथ ने कहा. "ऐसे कई गोरे थे जो अश्वेतों के साथ बिल्कुल जुड़ना नहीं चाहते थे, और स्कूलों में और लंच काउंटरों पर नस्लवाद के कारण अलगाव था. डॉ. श्वित्जर एक अद्भुत मानवतावादी थे, और उनके जीवन ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया." एक और व्यक्ति जिसने बाथ को प्रेरित किया वो उनके घर के फॅमिली डॉक्टर थे (वो उसके पिता का सबसे अच्छे दोस्त भी थे) - डॉ सेसिल मार्केज़. "एक कहावत के अनुसार किसी चीज़ पर विश्वास करने के लिए आपको उसे पहले देखना चाहिए," उन्होंने समझाया. "इसलिए मेरे विस्तारित परिवार के एक सदस्य का पेशेवर डॉक्टर होना - मुझे लगता है बहुत महत्वपूर्ण था."

सभी बाधाओं को तोड़ना

हालांकि 1950 के दशक में हाई-स्कूल जाने वाली लड़कियों को आमतौर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कैरियर बनाने से हतोत्साहित किया जाता था. लेकिन बाथ हमेशा अपने समय से आगे थीं. "मुझे नहीं लगता कि ज्ञान और कौशल के संदर्भ में लिंगों के बीच कोई दार्शनिक बाधा है, या वैज्ञानिक बाधा है." उसके अनुसार पुरुष या महिला के रूप में स्टीरियोटाइपिंग की गतिविधियां एक सीखा हुआ व्यवहार है - जिसे उसके परिवार ने कभी प्रोत्साहित नहीं किया. "सौभाग्य से, चीजें बदल रही हैं," उसने कहा. "यहां तक कि खिलौना निर्माताओं ने भी यह महसूस करना शुरू कर दिया है कि उनके अपने पूर्वाग्रह हैं और उनके पास केवल लड़कों के लिए ही एक्शन खिलोनें हैं. मुझे लगता है कि फिल्म उद्योग भी इस बात को पहचानने लगा है, बहुत सारी नई फिल्मों में अब हीरो के रूप में लड़कियों और महिलाओं को दिखाया जा रहा है." तो, यह सब एक प्रसिद्ध महिला डॉक्टर को कैसा लगता है? डॉ. बाथ ने उसका बहुत आसान उत्तर दिया: "यह समय की बात है!"



सफलता के लिए प्रशिक्षण

यदि कोई एक विशेषता है जो स्पष्ट रूप से बाथ के प्रारंभिक जीवन को परिभाषित करती है, तो वो दृढ़ता है. एक किशोरी के रूप में, वो यह समझ गई कि एक अफ्रीकी-अमेरिकी लड़की होने के नाते उसे अपने घर के पास किसी भी उच्च विद्यालय में दाखिला नहीं मिलेगा. "जब स्कूल की छुट्टी होती थी, तो आप उसी हार्लेम के बीच में सैकड़ों गोरे छात्रों को देख सकते थे, उनके लाल या सुनहरे बालों के साथ. यह एक बड़ी अजीब बात थी," उसने कहा. सीखने के लिए उत्सुक, बाथ "सबवे में गई और फिर ट्रेन में चढ़ी." प्रत्येक दिन, मैनहट्टन में स्थित चार्ल्स इवांस ह्यूजेस हाई स्कूल में पढ़ने के लिए उसने शहर की यात्रा की. वहां उसने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और यहाँ तक कि जल्दी ही वो स्नातक भी हो गई. "मुझे लगता है बाधाएं आपको अपनी आंतरिक शक्ति तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती हैं, क्योंकि जब आपको कहीं और से कोई बढ़ावा नहीं मिलता है, तो आपको बस खुद को प्रेरित करना होता है," उसने कहा. तमाम मुश्किलों ने उसे केवल प्रेरित किया "तेजी से तैरने, और ज़ोर से तैरने के लिए!"



डॉ. पेट्रीसिया बाथ के बारे में

डॉ. पेट्रीसिया बाथ का जन्म 4 नवंबर, 1942 को हार्लेम, न्यूयॉर्क में हुआ था. जब वो बड़ी हो रही थीं तब लिंगवाद, नस्लवाद और गरीबी जैसी बाधाओं ने एक युवा अफ्रीकी-अमेरिकी लड़की के डॉक्टर बनने के सपने को खतरे में डाल दिया था. बाथ ने सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी और वो उसमें सफल हुईं और उसके बाद अंधेपन का इलाज और उसका निवारण उनके जीवन का एक मिशन बन गया. आज उन्हें एक कुशल नेत्र रोग विशेषज्ञ, आविष्कारक और शिक्षक के रूप में दुनिया भर में जाना जाता है और उनका सम्मान किया जाता है.



एक बच्चे के रूप में, बाथ और उसका परिवार न्यूयॉर्क शहर के एक अपेक्षाकृत गरीब इलाके में रहते थे जहाँ बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ, अक्सर अपनी शिक्षा को आगे नहीं बढ़ा पाती थीं और पेशेवर नहीं बन पाती थीं. सौभाग्य से बाथ के माता-पिता ने उसे ऊंचे सपने देखने के लिए प्रोत्साहित किया और लगातार सीखने के महत्व पर जोर दिया. मां, ग्लेडिस, ने अपनी बेटी की स्कूली शिक्षा में मदद करने के लिए घरेलू काम किए, और उसके पिता रूपर्ट ने उन्हें विभिन्न संस्कृतियों, लोगों और संभावनाओं से परिचित कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वो एक पुनर्जागरण व्यक्ति थे उन्होंने एक अखबार के स्तंभकार, नाविक और न्यूयॉर्क शहर के पहले अश्वेत मोटरमेन का भी काम किया था. उस सबने बाथ में समानता के महत्व को स्थापित किया, यहां तक कि नागरिक अधिकार आंदोलन से पहले नस्लीय अन्याय से जूझते हुए, उन्होंने थर्गूड मार्शल नाम के एक प्रसिद्ध वकील को अपनी नौकरी के अधिकार को जीतने में मदद करने के लिए नियुक्त किया था.

माता-पिता के अलावा, कुछ अन्य व्यक्तियों ने भी छोटी उम्र में से ही बाथ को प्रेरित किया. एक किशोरी के रूप में, उसने डॉ. अल्बर्ट श्विट्जर, एक प्रसिद्ध चिकित्सक, मानवतावादी और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के बारे में पढ़ा. उन्होंने पश्चिम अफ्रीका में कुष्ठ रोग के पीड़ितों का इलाज किया. श्विट्जर के अथक प्रयासों का अध्ययन करके बाथ की गरीबों की सेवा की इच्छा को बढ़ावा मिला. इस बीच, बाथ परिवार के चिकित्सक और मित्र, डॉ. सेसिल मार्केज़ भी एक रोल मॉडल बने. जब बाथ ने चिकित्सा में रुचि व्यक्त की, तब परिवार ने उसका समर्थन किया. परिवार के अनुसार अच्छी शिक्षा ही बाथ के सपने को प्राप्त करने की कुंजी थी.

दुर्भाग्य से, वो शिक्षा प्राप्त करना उसके लिए इतना सरल नहीं था. जब हाई स्कूल का समय आया, तो बाथ को अपने पड़ोस से बाहर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उसके घर के सबसे नज़दीकी स्कूल, केवल लड़कों या धनी श्वेत परिवारों के लिए ही थे. अपना डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प, वो मैनहट्टन में चार्ल्स इवांस ह्यूजेस हाई स्कूल जाने के लिए रोज़ाना मेट्रो से यात्रा करती थी. उसने न केवल स्कूल में दाखिला लिया बल्कि उसने विशेष रूप से विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया. अत्यधिक मेधावी छात्र बाथ ने, कई सम्मान और पुरुस्कार जीते. यहाँ तक कि 18 वर्ष की आयु में उसने मैडमियोसेले पत्रिका के मेरिट अवार्ड को, राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन अनुसंधान परियोजना के लिए अर्जित किया, जिसमें कैंसर उपचार और जैव-पोषक तत्वों के बीच की कड़ी का ज़िक्र था. हाई स्कूल में रहते हुए, उसने कॉलेज के पाठ्यक्रम भी पूरे किए, जिससे उसे जल्द ही स्नातक की डिग्री मिली.

1960 में, बाथ ने मैनहट्टन के हंटर कॉलेज में दाखिला लिया जहाँ उसे छात्रवृत्ति मिली. रसायन विज्ञान में अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, वो वाशिंगटन, डीसी चली गई,और उसने हॉवर्ड यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन में डॉक्टरेट में पढ़ाई की. उस समय, ज्यादातर डॉक्टर और मेडिकल छात्र पुरुष होते थे और महिला छात्रों को अक्सर कुछ नियमों और प्रतिबंधों के अधीन रहना पड़ता था, जैसे कि कक्षा में सामने की पंक्ति में बैठने पर महिलाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. फिर भी भेदभाव के बावजूद, उसने अपनी शिक्षा के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की पूरी कोशिश की. हॉवर्ड में बाथ को एक महत्वपूर्ण रोल मॉडल मिलीं - डॉ. लो ए. यंग, जो देश में पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला नेत्र रोग विशेषज्ञों में से एक थीं. असल में बाथ, यंग को, नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता हासिल करने का श्रेय देती हैं.



बाथ ने 1968 में हावर्ड में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की. इसके बाद वो हार्लेम अस्पताल केंद्र में इंटर्नशिप करने और कोलंबिया विश्वविद्यालय में नेत्र विज्ञान में फैलोशिप करने के लिए न्यूयॉर्क लौट आईं. हार्लेम अस्पताल के नेत्र क्लिनिक में काम करने के दौरान, उन्होंने अफ्रीकी-अमेरिकी रोगियों की उच्च संख्या को नोटिस करना शुरू किया. फिर उन्होंने यह निर्धारित करने के लिए एक औपचारिक अध्ययन किया कि क्यों अफ्रीकी-अमेरिकी रोगी इतनी उच्च दर से अपनी दृष्टि खो रहे थे. उनके शोध के परिणामस्वरूप यह पता चला कि अश्वेतों में, गोरों की तुलना में अंधेपन की दर दोगुनी थी और ग्लूकोमा के कारण अंधापन आठ गुना अधिक था. बाथ के अनुसार उसका कारण अफ्रीकी-अमेरिकी रोगियों को आंखों की देखभाल में डाक्टरी सहायता की कमी थी.

इन निष्कर्षों के कारण, बाथ ने सामुदायिक नेत्र विज्ञान चिकित्सा प्रणाली विकसित की, जो गरीब क्षेत्र में रहने वाले लोगों की नेत्र देखभाल और उन्हें उपचार प्रदान करके उनके अंधेपन की दर को कम कर सके.

एक प्रशिक्षु के रूप में बाथ ने 1970 में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में नेत्र विज्ञान में एक रेजीडेंसी शुरू की. उन्होंने 1973 में वो कार्यक्रम समाप्त किया. वो अपने मेडिकल स्कूल में ऐसा करने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी बनीं. अपने निवास के दौरान, उन्होंने अपनी बेटी एराका को जन्म दिया. प्रशिक्षण पूरा होने के साथ, बाथ और उसका परिवार लॉस एंजिल्स चले गए. कैलिफोर्निया में उन्होंने दो प्रसिद्ध संस्थानों में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) में जूल्स स्टीन आई इंस्टीट्यूट और चार्ल्स आर. ड्रू मेडिसिन एंड साइंस के दो प्रसिद्ध संस्थानों में नेत्र विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के रूप में काम किया.



1974 में, जूल्स स्टीन आई इंस्टीट्यूट में नेत्र विज्ञान विभाग में बाथ पहली पूर्णकालिक महिला संकाय सदस्य बनीं. वहां पर एक महिला और अश्वेत होने के नाते उनसे गलत व्यवहार किया गया. एक तहखाने के अंधेरे कोने में उन्हें एक दफ्तर दिया गया. लेकिन बाथ ने वो कमरा स्वीकार नहीं किया और उन्होंने संकाय के पेशेवर कार्यालय में नई जगह की मांग की. उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया. उनकी दृढ़ता रंग लाई. 1983 में, उन्होंने एक और प्रभावशाली उपलब्धि हासिल की, जब वो संयुक्त राज्य अमेरिका में नेत्र विज्ञान रेजीडेंसी प्रशिक्षण कार्यक्रम, चार्ल्स ड्रू यूसीएलए चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के प्रमुख के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला बनीं. अकादमिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के इन वर्षों के दौरान, उन्हें अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस, एक गैर-लाभकारी संगठन की सह-स्थापना करने का समय मिला, जो दृष्टि की रक्षा, संरक्षण और बहाली के लिए समर्पित था.

यहां तक कि अपनी सारी सफलता के बावजूद, बाथ ने अंधेपन के लिए बेहतर उपचार खोजने की इच्छा कभी नहीं खोई. 1981 में, उन्होंने Laserphaco Probe लेज़र-फेको प्रोब नामक एक आविष्कार की अवधारणा पर काम करना शुरू किया. वो काम उन्होंने 1980 के दशक के मध्य में UCLA से छुट्टी के दौरान किया. पहले इस्तेमाल की गई विधि की तुलना में नई विधि अधिक प्रभावी, कम दर्दनाक साबित हुई. आंख से मोतियाबिंद को हटाने के लिए वो एक नायाब उपकरण था. फिर उन्होंने यूरोप की यात्रा की जहाँ उन्होंने अपने एक गुरु, डॉ डेनियल एरोन-रोजा के साथ पेरिस में शोध करने में समय बिताया. बाथ ने बर्लिन की फ्री-यूनिवर्सिटी में अपना अध्ययन जारी रखा, जहां दुनिया के सबसे बेहतरीन लेजर उपकरण उन्हें उपलब्ध थे और 1986 में उन्होंने यूनिवर्सिटी के लेजर मेडिकल सेंटर में अपना आविष्कार पूरा किया.

उन्होंने 1988 में, अपने उपकरण के लिए अपना पहला पेटेंट प्राप्त किया और बाद में कई और पेटेंट प्राप्त किए. कई स्रोतों ने उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में मेडिकल पेटेंट प्राप्त करने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला डॉक्टर होने का श्रेय दिया है, लेकिन बाथ ने हमेशा कहा कि उनके काम का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह था: वो पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने सिंचाई और सक्शन के साथ संयुक्त फाइबर-ऑप्टिक डिलीवरी जांच का उपयोग करके लेजर मोतियाबिंद हटाने का प्रैक्टिकल प्रदर्शित किया था. बाथ को हमेशा लेजर मोतियाबिंद सर्जरी में एक अग्रणी के रूप में जाना जाएगा.

अपने क्रांतिकारी आविष्कार के पूरा होने के साथ, बाथ ने 1993 में अपनी सेवानिवृत्ति तक UCLA में काम करना जारी रखा. वो आज भी लॉस एंजिल्स क्षेत्र में रहती हैं, और वो अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं. यह बाथ की मान्यता है कि आधे से अधिक अंधेपन को रोका जा सकता है, और सभी को "देखने का अधिकार" मिलना चाहिए.

अपने लंबे कैरियर के दौरान, बाथ को कई प्रभावशाली उपलब्धियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, फिर भी वो विनम्र रहीं और उन्होंने अपने अविष्कार को मानव जाति की सहायता के लिए एक नई और बेहतर तकनीक और खोज माना. वास्तव में, उन्हें अक्सर यह कहते हुए उद्धृत किया जाता है, "दृष्टि बहाल करने की क्षमता ही उसका अंतिम इनाम है." इसलिए, भले ही वो उससे सहमत हों या न हों, उनकी वास्तविक निस्वार्थता और मानवजाति के प्रति समर्पण ही डॉ. पेट्रीसिया बाथ को एक अद्भुत वैज्ञानिक बनाती है!